खबर संक्षेप

मंडला में स्पोर्टस एवं फिटनेस एजुकेशन सेंटर के निर्माण को मंजूरी, 6.69 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत

मण्डला। जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम कौरगांव में स्पोर्टस एवं फिटनेस एजुकेशन सेंटर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसके लिए लगभग 4.74 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है तथा परियोजना के लिए लगभग 6.69 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत हो चुकी है। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रस्ताव पर तहसील मंडला के ग्राम कौरगांव स्थित पटवारी हल्का क्रमांक 89, राजस्व निरीक्षक मंडल महाराजपुर के अंतर्गत आने वाले खसरा नंबर 507, 409 एवं 508/2 की भूमि स्पोर्टस एवं फिटनेस एजुकेशन सेंटर निर्माण के लिए चिन्हित की गई थी। प्रकरण की जांच उपखंडीय अधिकारी मंडला के माध्यम से कराई गई, जिसके बाद भूमि आवंटन की अनुशंसा की गई। मध्यप्रदेश नजूल भूमि निर्देश 2020 के प्रावधानों के अनुसार यह प्रस्ताव जिला नजूल निपटान समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति की बैठक 9 मार्च को आयोजित हुई, जिसमें विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से लगभग 4.74 हेक्टेयर भूमि खेल एवं युवा कल्याण विभाग को स्पोर्टस और फिटनेस एजुकेशन संनिर्माण के लिए आवंटित करने का निर्णय लिया गया। प्रस्ताव के अनुसार ग्राम कौरगांव में खसरा नंबर 507 की 1.64 हेक्टेयर, खसरा नंबर 409 में से 1.50 हेक्टेयर तथा खसरा नंबर 508/2 में से 1.60 हेक्टेयर भूमि स्पोर्टस कॉम्पलेक्स निर्माण के लिए हस्तांतरित की जायेगी। इसके लिए शासन से लगभग 6.69 करोड़ रुपये की राशि भी प्राप्त हो चुकी है। विदित है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के सतत प्रयासों से खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री डॉ. विश्वास सारंग द्वारा मंडला में स्टेडियम निर्माण के लिए भूमि आवंटित किए जाने की बात कही गई थी। इस संबंध में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में इस बात का जिक्र मंत्री श्रीमती उइके द्वारा अपने उदबोधन में किया गया था। स्पोर्टस एवं फिटनेस एजुकेशन सेंटर के निर्माण से जिले के खिलाड़ियों और युवाओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। इससे मंडला जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

मरम्मत के लिए 3.34 लाख की स्वीकृति

बुजबुजिया स्कूल भवन की वर्षों पुरानी समस्या

*** कलेक्टर ने लिया संज्ञान, स्कूल मरम्मत हेतु राशि स्वीकृत।**

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

विकासखंड मण्डला अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलपुरा के पोषक ग्राम बुजबुजिया में वर्षों से शाला भवन की समस्या बनी हुई थी। भवन के अभाव में स्कूल का संचालन तिरपाल की झोपड़ी नुमा व्यवस्था में किया जा रहा था। इस गंभीर समस्या को लगातार मीडिया द्वारा उठाया जाता रहा, वहीं ग्राम पंचायत सिलपुरा के सरपंच नरेश मार्को भी कलेक्टर जनसुनवाई से लेकर विधायक, सांसद और मंत्री तक लगातार शाला भवन निर्माण की मांग करते रहे।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2012-13 में यहां शाला भवन निर्माण के लिए 3 लाख 1हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन निर्माण एजेंसी और विभागीय लापरवाही के कारण उक्त राशि से भवन का निर्माण नहीं हो सका। राशि स्वीकृत होने के बावजूद भवन निर्माण क्यों नहीं हुआ, इसकी जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में डीपीसी कुलदीप कठल ने राज्य शिक्षा केंद्र से शाला भवन की मरम्मत के लिए 3.34 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कराई।

साथ ही ग्राम पंचायत सिलपुरा के प्राथमिक शाला बुजबुजिया के भवन मरम्मत कार्य के लिए तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। निर्माण कार्य पूर्ण कराने के लिए निर्माण एजेंसी के रूप में कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, जिला मण्डला को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वर्ष 2012-13 से विभागीय प्रक्रियाओं में उलझा बुजबुजिया स्कूल भवन का मामला अब कलेक्टर मण्डला की संवेदनशीलता के चलते सुलझता नजर आ रहा है। जल्द ही बच्चों को पढ़ाई के लिए सुरक्षित भवन मिल सकेगा। इस निर्णय से गांव के लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने कलेक्टर सोमेश मिश्रा का आभार व्यक्त करते हुए डीपीसी कुलदीप कठल को भी धन्यवाद दिया है।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति का प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

शासन की जन कल्याण करी योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के लिए ग्राम पंचायत पिपरिया सेक्टर क्रमांक 2 में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियो का सेक्टर स्तरीय प्रशिक्षण एक दिवसीय संपन्न 10/03/2026 दिन मंगलवार।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वक अधिकारी राजेंद्र कुमार चौधरी व ब्लॉक समन्वक अधिकारी सूरज बर्मन के मार्गदर्शन में चयनित नवांकुर संस्था धनवंतरी ग्रामीण सेवा समिति रिपटा बबलिया के नेतृत्व में सेक्टर क्रमांक 2 ग्राम पंचायत पिपरिया में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियो का एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्य शाला ग्राम पिपरिया में आयोजित किया गया।

जिसमें नवांकुर सखियों एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियो के पदाधिकारियों की सहभागिता रही।

जिसमें सर्व प्रथम कार्य क्रम का शुभारंभ भारत माता के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर तिलक वंदन कर पुष्प अर्पित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच श्रीमती विमला मरावी, जय प्रकाश झरिया, नील कमल झरिया, bsw msw के छात्र छात्रा तथा प्रस्फुटन समिति के सदस्यों की उपस्थिति व नवांकुर संस्था धनवंतरी ग्रामीण सेवा समिति रिपटा बबलिया के अध्यक्ष महोदय डॉ विजय कुमार सरवटे जी, सचिव अतीश मोंगर जी हीरा लाला महोबिया जी राधेश्याम बैरागी जी, आरती कुलस्ते, फूल वती भवेदी, मीना धुर्वे, शालिक राम उईके, राज कुमार सोयम, सविता मरकाम, भवानी सिंह भवेदी तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियो के पदाधिकारियों की व नवांकुर सखियों की उपस्थिति रही।

अन्त में प्रतिभागियों को समिति के अध्यक्ष डॉ विजय कुमार सरवटे द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अतः जिला समन्वक अधिकारी राजेंद्र कुमार चौधरी व ब्लॉक समन्वक अधिकारी सूरज बर्मन जी के मार्गदर्शन में किया गया।

मोटा अनाज अपनाकर सामाजिक और आर्थिक रूप से सक्षम बनेंगे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में पारंपरिक मोटे अनाज यानी मिलेट्स को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और नजर कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण सोसायटी द्वारा चलाया गया विशेष अभियान 10 मार्च को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 20 फरवरी से शुरू हुए इस अभियान के तहत विशेषज्ञों ने रामनगर, खिरहनी, अमरपुर और धनुआ सागर सहित विभिन्न क्षेत्रों में किसानों को मिलेट्स की वैज्ञानिक खेती और प्रसंस्करण की जानकारी दी।

सेहत के लिए 'सुपरफूड' है मिलेट्स

अभियान के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार और बाजरा जैसे मोटे अनाज सेहत के लिए बेहद लाभकारी हैं। इनका नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है और शुगर, बीपी तथा मोटापे जैसी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। इनमें भरपूर मात्रा में आयरन और कैल्शियम पाया जाता है, जो कुपोषण को दूर करने में भी प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

स्वरोजगार और आर्थिक सुदृढ़ीकरण-

वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह ने बताया कि मिलेट्स से बने उत्पादों—कुकीज, पौष्टिक सफेद खीर, मोमोज, लड्डू और पास्ता—की

बाजार में तेजी से मांग बढ़ रही है। ऐसे में ग्रामीण युवा और महिला स्वयं सहायता समूह इन उत्पादों के निर्माण के माध्यम से स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। किसानों के लिए गांव स्तर पर छोटी प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित कर व्यावसायिक लाभ कमाने की भी संभावनाएं हैं।

पलायन पर लगेगी रोक

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े साइंस कम्युनिकेटर डॉ. दीपक राय ने कहा कि यदि किसान पारंपरिक खेती के साथ वैज्ञानिक प्रसंस्करण तकनीकों को अपनाएं, तो ग्रामीण नागरिक सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बन सकते हैं। गांवों में ही रोजगार के अवसर बढ़ने से पलायन की समस्या पर भी काफी हद तक रोक लग सकेगी।

कार्यक्रम के दौरान अशोक मिश्रा और अजय झारिया ने किसानों को उन्नत बीजों के चयन, आधुनिक खेती की तकनीकों और बाजार से सीधे जुड़ाव के बारे में भी जानकारी दी। इस पहल से क्षेत्र के किसानों में नई उम्मीद और उत्साह देखने को मिला।

चैत्र नवरात्र पर 1100 कन्याओं होगा पूजन, कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर रामनवमी के दिन आयोजित होने वाले 1100 कन्याओं के पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पीडब्ल्यूडी कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर, मंडला में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को भव्य और सुव्यवस्थित रूप से आयोजित करने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में आयोजन समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम की रूपरेखा तय करते हुए कन्याओं के पूजन, भोजन व्यवस्था, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदारियां निर्धारित कीं। साथ ही नगर के धर्मप्रेमी नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील भी की गई।

आयोजकों ने बताया कि 25 मार्च 2026, बुधवार को सुबह 10 बजे से पीडब्ल्यूडी कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर, मंडला में माता की चौकी के साथ 1100 कन्याओं का पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें छिंदवाड़ा एवं जबलपुर के कलाकारों द्वारा माता की भक्ति प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

कार्यक्रम के आयोजक सोमन सोनू वर्मन ने बताया कि यह आयोजन नगर में पहली बार इतने बड़े स्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लेने का आग्रह किया।

मोहगांव में प्रस्फुटन समिति का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित

मण्डला। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद और नवांकुर संस्था द्वारा प्रस्फुटन समिति के सदस्यों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्राम विकास, शासकीय योजनाओं और सामाजिक जागरूकता पर चर्चा की गई। 32 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की और ग्राम स्तर पर विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में स्वच्छता, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और सामाजिक समरसता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मोहगांव की सरपंच श्रीमती सुनीता उलाड़ी, संस्था प्रतिनिधि उमा गणेश लोधी, परामर्शदाता श्री उत्तम परस्ते और नवांकुर सखियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

समीक्षा | डाटा डिजिटाइजेशन में पटवारी की भूमिका महत्वपूर्ण-प्रमुख सचिव।

पटवारियों को उपलब्ध कराये जायें लेपटॉप

*** विभागीय वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से की समीक्षा।**

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल ने बुधवार को वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि विभागीय डाटा अब पूरी तरह से डिजिटल हो रहा है ऐसे में पटवारी सहित मैदानी अमले की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पटवारी ई-बस्ता के तहत पटवारियों को लैपटॉप उपलब्ध कराए गए हैं, उनमें मोबाइल डिवाइस मैनेजमेंट सिस्टम इंस्टॉल कराया जाना है। इस सिस्टम से पटवारी लैपटॉप पर आसानी से अपना विभागीय कार्य कर सकेंगे।

प्रमुख सचिव ने राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए इस कार्य में पिछड़े इंदौर और जबलपुर आदि जिलों को गति तेज करने को कहा। वीडियो कॉफ्रेंस में राजस्व रिकार्ड डिजिटलीकरण, सारा पोर्टल, स्वामित्व योजना, फार्मर रजिस्ट्री, विभागीय अनुकम्पा नियुक्ति, एटीआर, पीएम किसान, प्रभारी नायब तहसीलदारों की पद स्थापना आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। मण्डला एनआईसी कक्ष से कलेक्टर सोमेश मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसएलआर हीरालाल तिवारी इस वीसी में शामिल हुए।

माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा मंडला के महिला प्रकोष्ठ की नई जिला कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा, मंडला के महिला प्रकोष्ठ को सशक्त, संगठित एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना पांडेय द्वारा जिला स्तर की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। नवगठित कार्यकारिणी समाज की मातृशक्ति को संगठित करते हुए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों को नई दिशा एवं गति प्रदान करेगी।

घोषित कार्यकारिणी में संरक्षिका के रूप में श्रीमती रेखा दीक्षित, श्रीमती सरिता अग्निहोत्री, श्रीमती शैल तिवारी, श्रीमती रेखा उपाध्याय, गंगोत्री बड़गैया एवं वंदना (मीनू) मिश्रा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अध्यक्ष पद पर श्रीमती अर्चना पांडेय, उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती वंदना अवस्थी एवं श्रीमती पुष्पा ज्योतिषी को नियुक्त किया गया है। सचिव के रूप में श्रीमती नीलम मिश्रा तथा सह सचिव के रूप में श्रीमती अनीता तिवारी को दायित्व दिया गया है। कोषाध्यक्ष पद पर श्रीमती राखी तिवारी को जिम्मेदारी दी गई है।

संगठन मंत्री के रूप में श्रीमती नीलिमा बाजपेयी एवं मणि तिवारी को नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीमती सुषमा मिश्रा, श्रीमती सपना बाजपेयी, श्रीमती राखी मिश्रा, श्रीमती कीर्ति बाजपेयी, श्वेता मिश्रा, प्रेमलता तिवारी, नीलू बाजपेयी, नीता उपाध्याय, प्रीति दुबे, रागनी तिवारी, सीमा बाजपेयी, अंकिता पाठक, निधि झा, नीलिमा शुक्ला, तृप्ति शुक्ला, निधि अवस्थी, सुधा उपाध्याय, खुशबू द्विवेदी, आकांक्षा तिवारी, निधि तिवारी, अर्चना तिवारी एवं पल्लवी झा को शामिल किया गया है।

माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा, मंडला के अध्यक्ष प्रमोद पाण्डेय ने नवगठित समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि महिला प्रकोष्ठ की यह नई टीम समाज में एकता, संगठन और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

खबर संक्षेप

पति की बुराई का बदला लेने पत्नी से की मारपीट

गाडरवारा। कभी कभी देखा जाता है कि लोग किसी की बुराई का बदला उनके परिजनों से लेने में पीछे नही रहते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत देखने मिली। जहां पर एक युवक की पति से चल रही बुराई का बदला उसकी पत्नी के साथ मारपीट करते हुये लेते हुये सामने आया है। घटना के संबंध में ग्राम पचामा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने मझले ससुर के घर अपने घर जा रही थी उसी दौरान रेलवे पुलिया के पास गांव को दिलीप लोधी मोटर साईकिल से आया और प्रार्थिया के सामने मोटर साईकिल को रोकते हुये रास्ता बंद कर दिया और गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थिया द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाते हुये कहा कि अपने पति को समझा लेना नही तो दोनो पति पत्नी को जान से मार डालूगा। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थिया की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खेत के बटिहार से की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस सीताराम पिता काशीराम कुशवाहा उम्र 60 साल निवासी ग्राम डुगरिया द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में गाडरवारा नवासी सुशील मिश्रा के ग्राम डुगरिया वाले खेत की बटिहारी ली है। बीते हुये दिवस जब में उनके खेत से पानी लगाकर वापिस घर जा रहा था तो रास्ते में गांव के सीताराम पिता गौरी शंकर व गौरी शंकर पिता टुण्डा गुर्जर मिले और रास्ता रोककर बोले की सुशील मिश्रा की बटिहारी क्यो ली है। इसी बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो पिता पुत्र ने मलकर प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली ज्ञानकारी के अनुसार बीते हुये दवस करेली थाने के अंतर्गत ग्राम डुगारिया निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि उसके चाचा ब्रजबिहारी श्रीवास अपनी मोटर साईकिल से चाची सबीता श्रीवास व बहिन मोहिनी श्रीवास के साथ गाडरवारा से वापिस करेली जा रहे थें। जब वह डमरूघाटी के पास पहुंचे तो सामने से आ रही एक कार क्रमांक MP49-C-4943 के चालक द्वारा तेज गति तथा लापरवाही पूर्वक कार चलाते हुये टक्कर मार दी गई जसके चलते प्रार्थी के चाचा ब्रज बहारी, चीची सबीता व बहिन मोहिनी को चोटे अपने के चलते पुलिस ने आरोपी कार चालक के खलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

रास्ता रोककर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस सालीचौका वार्ड क्रमांक 4 निवासी आशीष कुमार उर्फ गोलू पिता राम कुमार सोनी हाल निवासी पलोटन गंज गाडरवारा द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मै सालीचौका में ज्वैलर्स की दुकान चलाता हूं जो मै रोज गाडरवारा से सालीचौका आना-जाना करता हूं। घटना दवस पर में गाडरवारा से ट्रेन मे बैठकर सालीचौका आया और पैदल-पैदल अपनी दुकान जा रहा था तभी रास्ते मे मुझे ग्राम खैरूआ नवासी नरेश पिता गोपाल किरार तथा मदन पिता अमर सिंह किरार मिले इनसे मेरा जमीनी विवाद चल रहा है। उसी बात को लेकर दोनों रास्ता रोककर गंदी गंदी गालिया देने लगे जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपियों द्वारा एक राय होकर मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई देखकर स्वच्छता सर्वेक्षण की सच्चाई पर खड़े हो रहे सवाल...?

गदंगी व दुर्दशा के बीच मुश्किल से मासूमों ने काटा यह यह सत्र

आने वाले नये सत्र को लेकर अभिभावकों को अभी से सताने लगी चिंता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत का नारा देते हुए संपूर्ण देश को स्वच्छ बनाने की सोच रखी जा रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि प्रधानमंत्री की सोच को अमली जामा पहनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा भी संपूर्ण प्रदेश को स्वच्छ बनाने के उद्वेश्य से करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुए गांव गांव टीमें भेजकर शौचालयों का निर्माण कराने बाद अब स्वचछता सर्वेक्षण की मुहिम शुरू कर दी गई है। जिसके चलते हमारे जिले के अधिकारियों द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2026-27 में प्रदेश मे सर्वोत्तम अंकों के साथ अच्छा स्थान प्राप्त करने के लिए कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। बताया जाता है कि कुछ माह पूर्व एक टीम द्वारा गांव गांवों पहुंचकर शिक्षण संस्थाओं सहित अन्य स्थलों पर निरीक्षण करने की बात कही गई थी जिसकी सूचना अधिकारियों व कर्मचारियों को पहले ही मिल जाने के कारण इस टीम के पहुंचने के पूर्व अपनी शिक्षण संस्थाओं के शौचालयों को नई दुल्हन की तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर इसके बाद उन शौचालयों की क्या सच्चाई बनी हुई है इस बात का अंदाजा ग्रामीण क्षेत्रों में देखकर आसानी से लगाया जा सकता है..? वही दूसरी ओर कुछ वर्ष पूर्व शिक्षण संस्थाओं में भी सरकार द्वारा पक्के शौचालयों का निर्माण कराते हुए लाखों रूपया खर्च किये जा चुके है। मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो लगातार चलाई जा रही इस स्वच्छता की सत्यता का नजारा क्षेत्र के शाला भवनों में बदहाल हालत में पहुंच रहे शौचालयों को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है कि आखिरकार सरकार द्वारा स्वच्छता के नाम पर खर्च किये जा रहे पैसा मात्र एक औपचारिकता पूर्ण करते हुये शासन की राशि की होली खेलने के समान दिखाई देने से नही चूक पा रहा है...? जहां अधिकारियों द्वारा आये दिन स्वच्छता का संदेश देने से नही तो नही चूकते है। मगर शिक्षण संस्थाओं में फैल रही गंदगी के ओर किसी भी प्रकार का ध्यान न देना चिंता जनक सच्चाई मात्र कागजों पर चल रहे स्वच्छता अभियान को उजागर करने से नही चूक रहा है..? जिसके चलते शिक्षण संस्थाओं की स्थिति को देखते हुए यह जान पड़ रहा है कि अधिकारियों के दिशा निर्देश सिर्फ अखबारों की सुर्खियों में छाने तक ही सीमित होकर रह रहे है। क्योंकि इस समय देखा जा रहा है कि शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय शिक्षण संस्थाओं की स्थिति इतनी बदहाल हो रही है कि उनमें बच्चे तो क्या शिक्षकों को पहुंचने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि कुछ साल पहले शासन के आदेश अनुसार शिक्षण संस्था में शौचालय बनबाने का जो आदेश दिया गया था उसे लेकर संबंधित विभाग द्वारा शौचालयों का निर्माण करते हुए उन्हें इतना सुन्दर बनाया गया था कि उसकी कल्पना नही की जा सकती थी। मगर उनकी सच्चाई चंद दिनों बाद ही जिस प्रकार से देखने मिल रही है उसकी भी कल्पना करना भी मुश्किल होने लगा है..। यदि गौर किया जावे तो इन शासकीय शिक्षण संस्थाओं में बीते हुए वर्षो में बनाये गये शौचालय इस प्रकार की स्थिति में पहुंच चुकी है कि उनका छात्र छात्राओं सहित शाला के स्टाफ द्वारा उपयोग करने की बात तो दूर उनकी ओर झांकने से भी दहशत में देखे जाने लगे है। क्योंकि इन शौचालयों को लेकर साफ सफाई के आभाव में जहां उनके अंदर जहरीले कीडे मकोड़ो ने अपना डेरा जमा लिया गया है। वही दूसरी ओर शिक्षण संस्थाओं की स्थिति इतनी बदहाल हो रही है कि जब जरा सी बारिश होती है तो उनके चारों ओर बारिश का पानी भर जाने के कारण जहां बच्चों को शिक्षण संस्थाओं में बैठते हुए अध्ययन करना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार से शासन से लेकर शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय शिक्षण संस्थाओं में शौचालय निर्माण कार्यो पर जोर दिया गया था यदि वह जोर शिक्षण संस्थाओं के सुधार कार्य पर दिया गया होता तो निश्चित शिक्षण संस्थाओं की सूरत बदल गई होती। मगर चंद दिनों के लिए सुन्दर शौचालयों से सजी रहने के बाद बदहाल स्थिति में पहुंची शिक्षण संस्थाओं को लेकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि आखिर में बच्चें अपने स्कूलों में पढ़ाई करने के लिए जाते है सिर्फ शौच करने के लिए नही? क्योंकि भले ही शौचालय बदहाल होते तो काम चल जाता। मगर बच्चों के लिए शिक्षण संस्थाओं की स्थिति में सुधार हो जाता तो उनको लाभ मिलता। क्योंकि पढ़ाई के दौरान चंद बच्चें ही शौचालयों का उपयोग करते है..? जबकि शिक्षण संस्थाएं शौचालय के आलवा जिस तरह अन्य कमियों से जूझती है तो सभी बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है जिसके चलते उनकी पढ़ाई पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार की स्थिति के चलते लोगों का कहना है कि शौचालयों की सुन्दरता से अधिक जरूरत शिक्षण संस्थाओं के सुधार में ज्यादा महसूस की जा रही है जहां पर बैठकर बच्चों को अपनी पढ़ाई करना पड़ती है। मगर पता नही क्यों शासन द्वारा इस समय शिक्षण संस्थाओं के सुधार की जगह उनके शौचालयों पर ज्याद ध्यान देने में लगा दिया गया था और लगभग हर स्कूल में शौचालयों के नाम पर खर्च की गई राशि की गफलतबाजी बदहाल स्थिति में पहुंच चुके हुये यह शौचालय खुद ही अपने आप बताने से नही चूक रहे है जिसके चलते इन शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले बच्चों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसी का परिणाम है कि शहर सहित ग्रामीण क्षेंत्रों की शिक्षण संस्थाओं स्थिति इनती बदहाल होती हुई देखी जा रही है जहां हर वर्ष सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करने के बाद अनुपयोगी साबित हो रहे है। यह बात अलग है कि शासन के आदेश अनुसार बीते हुये कुछ साल पहले क्षेत्र की हर शिक्षण संस्था में लाखों रूपया खर्च करते हुये शौचालयों का निर्माण कराते हुए उन्हें सुन्दर बना दिया गया है। मगर आज भी शिक्षण संस्था की स्थिति बदहाल होने के कारण इन संस्था में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के साथ साथ शिक्षक शिक्षिकाओं को भी परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

चीचली में विकासखंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की बैठक हुई चर्चा

एक अप्रैल को धूमधाम से मनाया जावेगा प्रवेश उत्सव

हरिभूमि न्यूज/चीचली। स्थानीय जनपद शिक्षा केंद्र में विकास खंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट तथा उल्लास नवभारत साक्षरता की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए बीआरसी चीचली डी के पटैल, बीएसी अरुण दुबे एवं एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव ने आगामी अप्रैल में नवीन सत्र में शाला प्रवेशउत्सव कार्यक्रम, वर्तमान में जारी स्थानीय कक्षा 3, 4, 6, 7 की वार्षिक परीक्षा में विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति, मेंटरिंग, बैगलेस डे की गतिविधि आयोजित करना, एफएलएन अभ्यास पुस्तिका पर कार्य, अपार आई डी, खाद्यान्न उठाव, ड्रॉप बॉक्स, डीजीगोव व्यय, पीएम पोषण आहार मॉनिटरिंग, आईवीआरएस मैसेज, शौचालय मरम्मत एवं निर्माण कार्य सहित बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिए। वही सत्र 2026 - 27 में अशासकीय संस्थाओं में होने वाले आरटीई आवेदनों का सत्यापन दिनांक 14 मार्च 2026 से जन शिक्षा केदो में जन शिक्षक एवं मेंटर शिक्षकों द्वारा किया जाना है जिसका तकनीकी प्रशिक्षण जन शिक्षक एवं मेंटर शिक्षक को दीपक श्रीवास्तव एम आई एस कॉर्डिनेटर द्वारा दिया गया। नवभारत साक्षरता के समन्वयक लेखराम गौतम तथा सत्यम ताम्रकार द्वारा ने आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली असाक्षरों की परीक्षा, मूल्यांकन में उनकी उपस्थिति, बसाहटों के असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे, सामाजिक चेतना के संचालन, आदर्श सामाजिक चेतना केंद्र में आवश्यक सामग्री की व्यवस्था, परीक्षा की मॉनिटरिंग तथा सामाजिक चेतना पंजी के सतत अद्यतन की बात की। उनके द्वारा असाक्षरों के मूल्यांकन का केंद्रवार लक्ष्य अनुरूप प्रश्न पत्र बंडलों का वितरण गया। इस बैठक मे अरुण दुबे, दीपक श्रीवास्तव, खुशबू ब्रिजपुरिया, प्रमोद साहू, सत्यम ताम्रकार, अजय नामदेव, संजय सोनी, अनूप पालीवाल, हेमंत पटैल, ललित पाराशर, हरीश गुप्ता, नरेश मेहरा, देवकरण रजक, हरिओम स्थापक, वीरेंद्र रघुवंशी, संजय सिंह राजपूत, अजेश कुमरे, नेतराम कौरव, अभिषेक पाराशर, कैलाश कहार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कक्षा पांचवी एवं आठवी परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य संपन्न

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशों के परिपालन में विकासखंड चीचली के मूल्यांकन केंद्र शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में कक्षा पांचवी एवं कक्षा आठवीं की वार्षिक परीक्षा 2026 की अमूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य संपन्न हुआ। बताया जाता है कि इस मूल्यांकन कार्य हेतु विद्यालय के प्राचार्य भूपेश ठाकुर को मूल्यांकन केंद्र प्रभारी, सत्यम ताम्रकार, बुलंद कुशवाहा को सहायक मूल्यांकन केंद्र प्रभारी नियुक्त किया गया था। मूल्यांकन कार्य की अंतिम दिवस मॉनिटरिंग विकास खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र राजपूत, विकास खंड स्त्रोत समन्वयक डी के पटेल द्वारा की गयी। यह मूल्यांकन कार्य विषयवार माध्यमिक विभाग आठवीं के हेडवैल्युअर पवन विजोरिया, कमलेश दूरवार, गोविंद ताम्रकार, नरेश मेहरा, सुनील सोनी, हरिशंकर यूईके तथा प्राथमिक विभाग पांचवी में अजय मेहरा, मनीष नेमा, मन्नालाल पटले तथा रामकुमार कौरव, स्ट्रांग रूम प्रभारी गिरीश ताम्रकार, डाटा एंट्री कार्य धीरज जसाठी, पवन प्रजापति, सत्यम ताम्रकार एवं निर्धारित मूल्यांकनकर्ताओं के सहयोग से पूर्ण हुआ। उल्लेखनीय है कि इस मूल्यांकन कार्य में हेडवेल्युअर द्वारा आरएसके पोर्टल पर ऑनलाइन वितरण, अंक फीडिंग, ऑनलाइन पर्ण प्रतिपर्ण जनरेट सहित अन्य कार्य किये गए। यह मूल्यांकन कार्य जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुशवाहा के मार्ग दर्शन तथा जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र मनीष चौकसे के निर्देशन में पूर्ण हुआ।

शराब पीने के लिये पैसा न देने पर की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस माता वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह सब्जी लेने के लिये पुराने बस स्टेन्ड के पास गया हुआ था उसी दौरान बसोरी नामक युवक मिला और शराब पीने के लिये पांच सौ रूपया की मांग की गई। जब प्रार्थी द्वारा पैसा देने से इंकार किया तो आरोपी गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे बगैर नम्बर के वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन के नियमों को ताक में रखकर धड़ल्ले से नवयुवक वाहनो को बेखौफ होकर चलाते देखे जा रहे है। उल्लेखनीय है कि शहर की सड़को तथा गलियों में लहराते हुए नवयुक दुपहियो वाहन लेकर फर्राटे भर रहे हैं और यातायात नियमों का सरेआम उल्लंघन घर रहे है। वाहनों से नम्बर प्लेंटो को तरह तरह से सजाना वाहन मालिको विशेषकर युवा वाहनचालकों का शौक बन गया है, वही कुछ अपने वाहन में नंबर लिखवाना शान के विरूद्ध समझतें है, ऐसे वाहन अगर कोई दुर्घटना करते है तो उनकी तलाश पुलिस के लिए एक समस्या बन जाती है। संबंधित विभाग द्वारा चौराहों में खड़े होकर की जाने वाली चालानी कार्रवाई के दौरान नम्बर विहीन वाहनोचालको को नम्बर दर्ज कराने की हिदायत देकर चालानी कार्रवाई की जाती है। लेकिन बाद में कभी ये देखने की जरूरत महसूस नहीं करते कि वाहनों में नम्बर दर्ज है या नही? वाहनो की प्लेंटो पर प्रेस, डॉक्टर का चिन्ह बनवाना अब पुराना फैशन हो गया है। शहर में दर्जनों ऐसे वाहन खुलेआम सड़को पर दौड़ते रहते है, यदि इस प्रकार के वाहन कोई दुर्घटना करते हैं या फिर उनका उपयोग किसी अपराध में किया जाता है तो यह पता करना काफी मुश्किल हो जाता है कि वाहन है किसका है? अतः ऐसे वाहनो का भी सड़कों पर बेधड़क दौड़ना कम खतरनाक नहीं है। हमेशा कोई दुर्घटना हो या ऐसी वारदात जिसमें वाहन का प्रयोग किया गया हों, के होने पर पुलिस के पास वाहन का नम्बर ऐसा अहम सुराग रहता है जिसके माध्यम से वह घटना दुर्घटना का शिकार बनने का, बनाने वाले का पता लगा सकती है, पर अगर वाहन मे नम्बर ही नही है तो सिर्फ गाड़ी के मॉडल या रंग के आधार पर कुछ भी पता हो पाना असंभव सा रहता है, जिस प्रकार से क्षेत्र में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को ध्यान में रखते हुए वाहनों में नम्बर डलवाने के लिए जिला प्रशासन से अपेक्षित पहल आवश्यक है।

मिलावटी ईंधन से जहर उगल रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। मिलावट के युग मे वाहनों मे प्रयुक्त हो रहे पेट्रोल डीजल के शुद्ध होने की कल्पना करना ही व्यर्थ है,क्योंकि इसके पूर्व जब नगर में चंद पेट्रोल पंप हुआ करते थे तो उन पर मिलने वाले पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता पर विश्वास किया जाता था, मगर इस समय देखा जा रहा है कि शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रहे पेट्रोल पंपो के चलते उनसे मिलने वाले ईधन की गुणवत्ता पर विश्वास करना एक मुश्किल भरा काम हो गया है? बताया जाता है कि इस तरल ईधन मे मिट्टी के तेल की मिलावट होने से वाहनों से निकलने वाला सफेद गाढ़ा काला धुआं लोगों के स्वास्थ्य को खराब कर रहा है,संबंधित विभागीय अधिकारी कभी कभार इक्का दुक्का वाहनो को पकड़कर मात्र अपनी औपचारिकता निभा खानपूर्ति कर विज्ञप्तियों के माध्यम से वाह वाही लूटने मे परहेज नही कर रहे है? नगर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ने वाले सैकड़ो ऐसे वाहन होते है, जिनमे शुद्ध रूप से पेट्रोल व डीजल का उपयोग नही हो रहा है? क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले इन वाहनों में मिलावटी ईधन के कारण इन वाहनों से जो सफेद काला गाढ़ा धुआं निकलता है,उसमे कार्बन की संख्या अधिक रहती है,वायु के साथ कार्वन के ये न दिखने वाले कण वाहनों के आस पास मौजूद लोगों के शरीर मे प्रविष्ट होते ही है साथ ही कपड़ों मे भी चिपक जाते है,लोंगों द्वारा रूमाल से अगर चेहरा या शरीर पोछा जाता है तो वह काला हो जाता है, इस समय देखा जा रहा है कि भारी वाहनों विशेषकर ट्रक, डम्फर तथा जीप व क्षेत्र में संचालित टैक्सियों मे डीजल का प्रयोंग किया जाता है, उसमें वाहन माहिलों द्वारा सर्वाधिक मिलावट की जाती है,हलांकि पेट्रोल चलित वाहनों विशेषकर दुपहिया वाहनों जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, अतःउनके द्वारा भी वातावरण को प्रदूषित करने के आलावा लोगों को बीमारियां परोसी जा रही है, चिकित्सकों का कहना है कि वातावरण मे कार्वन की मात्रा बढ़नें के कारण शहर के लोगों मे श्वास व ह्दय रोग संबंधी शिकायतें बढ़ गयी है।

रात के समय सिग्गल लाईट के भरोसे दौड़ने वाली चार पहिया वाहनों से बन ही दुर्घटनाओं की संभावना...?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। दुर्घटना से देर भली यह नारा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने वाली पुलिस हमेशा दोहराती रहती है, किन्तु विडम्बना की बात है कि उसकी तरफ से सड़कों पर अनियांत्रित गति से वाहन चलाने पर रोक नही लगायी जाती है,जिसकी जीतीजागती मिसाल इन दिनों ग्राम खुलरी में देखने को मिल रही है, जहां पर वर्तमान में ग्राम की सड़कों पर दो पाहिया,चार पाहिया वाहन ट्रक व ट्रेक्टर यमदूत बनकर फर्राटे से तेज गति में दौड़ते नजर आ रहे है। हालत यह है कि दोपाहिया वाहन चालक, राहगीर चार पहिया काने वाहनो को रात के समय टू व्हीलर वाहन समझने की भूल कर बैठते है और जब उन्हे सच पता चलता है तो खैरियत से घर पहुॅचने की ईश्वर से प्रार्थना करने लगते है। बताया जाता है कि पुलिस के सामने से भी काने वाहनो के गुजरनें का सिलसिला चलता रहता है पर पुलिस वाहन चालको पर कार्यवाही करने की जगह हरी झंडी दे देते हुये देखी जाती है? जिसका नतीजा है कि ग्राम में सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बढ़ता जा रहा है, यातायात व्यवस्था में बाधक साबित हो रहे फर्राटे से दौड़ते वाहनों के सम्बंध में हरिभूमि टीम से क्षेत्रवासियों ने चर्चा करते हुए कहा कि गांवो की सड़को पर बिना बैक लाईट वाले वाहनो का दौड़ाया जाना खतरनाक साबित हो रहा है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों के सकरे मार्गो पर जब अनियंत्रित गाति वाले वाहन चलते है तो लोंगो का दिल दहल जाता है।

कभी इन खेलों का भी जलवा हुआ करता था, मगर अब भुला दिये गये..

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा। पारस्पारिक खेल जहां सस्ते और सुलभ हुआ करते थें, वही ॠतुओं पर आधारित यह खेल स्वास्थ्य और शिक्षाप्रद भी हुआ करते है। किन्तु आधुनिक युग मे इन पास्पारिक खेलों का स्थान महंगे खेलों ने ले लिया है,आवश्कता है सुलभ पारंपारिक खेलों की ओर लौटने की क्योकि पारंपारिक खेल अपेक्षाकृत व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम होते है, हमारी माटी से जुड़े ऐसे ही अनेको खेलों व प्रासंगिता और लाभ का विस्तृत विश्लेषण किया गया है, हमारी परम्पराओं से जुडे अनेक खेल गिल्ली डण्डा ,गपोनी, कबड्डी, छिपा छिपी, अडी धप्प, आदि खेलों के लाभ और इनके जीवन से जुडाव को उजागर किया गया है, इन पारंपरिक खेलो को शरीर एवं मस्तिष्क विकास का सशक्त माध्यम बताते हुये बताया गया है कि पूर्व के समय मे यह खेल अधिकांशतः कम उम्र के बच्चों द्वारा खेला जाता था, जिससे की बच्चों को शरीरिक संतुलन बनाने का अभ्यास होता था। निर्णय क्षमता के विकास के साथ शरीरिक विकास के क्रम मे बढ़ोत्तरी होती थी। अनेक प्राचीन खेल ॠतुओं पर आधारित होते थें, इसके अलावा अनेक सदाबहार खेल भी हुआ करते थें, जिसे हर मौसम मे खेला जाता था। मगर इन पारंपारिक खेलों की विशेषता यह थी कि इन खेलों की सामग्री सहजता से उपलब्ध हो जाती थी जिसमें अधिकांश खेल मौसम के अनुकूल रहते थें। इनकी सामग्रियां खरीदनी नही पड़ती थी। वही प्रकृति से जुडे यह खेल बच्चों को सहज से जुडकर शारीरिक एवं मानसिक विकास क्रम को आगे बढ़ाते थें,अपनी विविधता के कारण इन खेलों का अपना आकर्षण था,नियम अत्यंत सरल थें खिलाड़ियों की संख्या का बंधन नही होता था,यही कारण है कि सभी आयु वर्ग के व्यक्ति एवं बच्चे इनसे लाभ ले सकते थें, आधुनिक दौड़ते भागते इस युग मे परम्परागत खेलो को भारी नुकसान हुआ है और लगातार बढ़ रही प्रतिस्पर्धा के इस दौर मे जहां बच्चें परम्परागत खेल सें दूर किताबों के बोझ से दबे दिखाई देते है, वही महंगें आधुनिक खेल आम व्यक्ति के बजाय चन्द लोगों तक सिमट कर रह गये है। इस तरह कभी हमारें रीति रिवाजों मे और संस्कारों मे दिखाई देने वाले खेल आज हम भूलते जा रहे है। यही कारण है कि स्वास्थ्य और शिक्षा का विकास हमसें पीछे छूट गया है,आज आवश्यकता है पुनः परम्परागत खेलों को जीवन का अंग बनाने की।

पत्नी द्वारा पैसे नही दिये जाने पर पति ने कर दी पिटाई

गाडरवारा। हर पत्नी की अपने पति से उम्मीद होती है कि वह काम काज करते हुये उसका व बच्चों का भरण पोषण करे। मगर कुछ पति इस तरह से होते है कि वह अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिये पत्नी से पैसा मांगने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई यहां पर भी देखने मिली है। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के स्टैट बैंक के पास शुभाष वार्ड निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने घर पर खाना बना रही थी उसी दौरान उसा पति घनश्याम गोस्वामी आया और पैसों की बात करने लगा जब पत्नी द्वारा कहा कि मेरे पास पैसा नही ही है। इसी बात को लेकर आरोपी पति द्वारा अपनी पत्नी को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट की गई। वही जब उनका बेटा बीच बचाव करने के लिये आया तो आरोपी द्वारा उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने पीड़ित पत्नी की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशों के तहत जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं।कलेक्टर कार्यालय खाद्य शाखा डिंडौरी से जारी निर्देशों के अनुसार जिले में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस उपलब्ध कराने के लिए गैस एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सतत निगरानी रखने को भी कहा गया है।निर्देशों में कहा गया है कि खाद्य विभाग और ऑयल कंपनियों के अधिकारी एलपीजी वितरकों के यहां घरेलू और वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों के स्टॉक की नियमित समीक्षा करें तथा इसकी मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित करें। बड़े वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को उपलब्ध गैस स्टॉक का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा आवश्यकता होने पर वैकल्पिक ईंधन स्रोतों का उपयोग करने की सलाह दी जाएगी।इसके साथ ही गैस एजेंसियों की नियमित जांच करने और अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। सहायक और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र की गैस एजेंसियों से समन्वय कर प्रतिदिन गैस आपूर्ति की प्रगति का विवरण ऑनलाइन माध्यम से अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में घरेलू गैस उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के साथ एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आधार कार्ड में जन्मतिथि बदलना अब नहीं आसान

राजनगर। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आधार में जन्मतिथि बदलने के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। दरअसल, आधार कार्ड में जन्मतिथि (डेट ऑफ बर्थ) को बार-बार बदलने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इसके तहत अब आधार में जन्मतिथि में संशोधन केवल विशेष परिस्थितियों में ही किया जा सकेगा। प्राधिकरण का कहना है कि किसी भी व्यक्ति की जन्मतिथि एक ही होती है। इसलिए सामान्य परिस्थितियों में इसे बदलने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। हालांकि, कई मामलों में आधार नामांकन के दौरान ऑपरेटर की त्रुटि, अनुमानित जानकारी दर्ज होने या गलत दस्तावेज देने के कारण जन्मतिथि गलत दर्ज हो जाती है। ऐसे मामलों में ही सुधार की अनुमति दी जाएगी। वह भी तब जब संबंधित व्यक्ति के पास प्रमाणित और सत्यापन योग्य दस्तावेज उपलब्ध हों। यूआईडीएआई का उद्देश्य आधार डाटाबेस की शुद्धता और विश्वसनीयता बनाए रखना है। ताकि नागरिकों की पहचान से जुड़ी जानकारी पूरी तरह सही और प्रमाणिक बनी रहे।

समनापुर में हमर आजीविका दीदी कैफे का शुभारंभ महिलाओं की आत्मनिर्भरता की नई पहल

डिंडौरी।

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन को बढ़ावा देने की दिशा में विकासखंड समनापुर में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मातृशक्ति संकुल स्तरीय संगठन द्वारा संचालित हमर आजीविका दीदी कैफे का शुभारंभ बुधवार को पुराने तहसील कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ओमकार सिंह मरकाम भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम जनपद पंचायत समनापुर अध्यक्ष पवनती कुशराम जिला पंचायत सदस्य हेमवती राजपूत अशोक संत और भारत राजपूत की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी भी मौजूद रहे।कार्यक्रम में आजीविका मिशन की जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती अर्पणा पांडेय जिला एवं विकासखंड स्तरीय टीम समनापुर अमरपुर और बजाग के स्टाफ तथा प्रदान संस्था के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।जिले के विभिन्न विकासखंडों में दीदी कैफे खोले जा रहे हैं जिनका संचालन स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। इससे महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और उनके परिवार के भरण पोषण में सहयोग मिलेगा। यह पहल मातृशक्ति के लिए प्रेरणादायक साबित होगी। जिला प्रशासन की इस पहल से महिलाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि यह कैफे ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूह की महिलाएं न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता का संदेश भी दे रही हैं। बताया गया कि हमर आजीविका दीदी कैफे का संचालन और प्रबंधन पूरी तरह स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस कैफे के माध्यम से स्थानीय स्तर पर शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खानपान उपलब्ध कराया जाएगा।कार्यक्रम में संकुल स्तरीय संगठन की महिलाओं ने अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे और महिलाओं के इस प्रयास की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।महिलाओं ने संकल्प लिया कि गुणवत्ता और बेहतर सेवा के माध्यम से हमर आजीविका दीदी कैफे को समनापुर ही नहीं बल्कि पूरे जिले की पहचान बनाया जाएगा। वहीं आजीविका मिशन के अधिकारियों ने कैफे के संचालन में हर संभव तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर की चार छात्राओं ने 2026 में पाई सफलता

डिंडौरी। माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर डिंडौरी की चार छात्राओं ने श्रम्म मेन 2026 परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय की प्राचार्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सत्र 2025.26 में अध्ययनरत गणित संकाय की चार छात्राओं ने इस परीक्षा में सफलता हासिल की।प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रा सिलोचना ग्राम पायली मेंहदवानी ने 59 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। गंगोत्री तेकाम ग्राम सूरजपुरा शहपुरा ने 57 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सुप्रिया मरावी ग्राम माधोपुर रहंगी ने 45 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं आरती मरावी ग्राम चांदकिकरिया समनापुर ने 33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण की।छात्राओं की इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सभी छात्राओं को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल की बेटियों की यह सफलता अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने छात्राओं की मेहनत तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की।विद्यालय की प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ ने भी सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई कि ये छात्राएं आगे भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

जिला शिक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ

कलेक्टर श्रीमती अंजू भदौरिया के निर्देशन में जिले के शासकीय कार्यालयों में अनुशासन समयपालन

डिंडौरी ।

कलेक्टर श्रीमती अंजू भदौरिया के निर्देशन में जिले के शासकीय कार्यालयों में अनुशासन समयपालन और कार्यों की नियमितता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निरीक्षण की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अपर कलेक्टर जे पी यादव ने बुधवार को सुबह 10 बजकर 38 मिनट पर जिला शिक्षा केन्द्र डिंडौरी का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान कार्यालय में एस के मिश्रा एकाउंटेंट और किशन बड़कड़े भृत्य उपस्थित पाए गए। जबकि मावन कुमार गंगभिए लेखा अधिकारी श्रीमती प्रमिला मिश्रा एपीसी ई एंड आर अमित गोलिया एपीसी वी के मिश्रा एई डी के पटेल एकाउंटेंट सुखनंद ठाकुर प्रभारी एपीसी आईईडी और शैलेश कुमार जैन माध्यमिक शिक्षक निरीक्षण के समय कार्यालय में अनुपस्थित पाए गए।बिना अनुमति और अनाधिकृत अनुपस्थिति को पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता और लापरवाही मानते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 का उल्लंघन पाया गया है। इस संबंध में मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 और मध्यप्रदेश संविदा सेवा शर्तों के अंतर्गत संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।जारी नोटिस में निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित अधिकारी और कर्मचारी नोटिस प्राप्त होने की तिथि से सात दिवस के भीतर अपना जवाब या स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। अन्यथा नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर श्रीमती अंजू भदौरिया ने जिले के सभी कार्यालय प्रमुखों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्यालयीन कार्यों में अनुशासन समयपालन और जवाबदेही सुनिश्चित करें। साथ ही निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें ताकि आमजन को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं मिल सकें।

मेंहदवानी के कठौतिया सेक्टर में प्रस्फुटन समितियों की एक दिवसीय बैठक सह प्रशिक्षण संपन्न

जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पर दी गई विस्तृत जानकारी

शहपुरा . डिंडोरी जिले के मेंहदवानी विकासखंड अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 03 कठौतिया में बुधवार 11 मार्च 2026 को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ददरा टोला सरसा के तत्वावधान में प्रस्फुटन समितियों की एक दिवसीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके पश्चात उपस्थित ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव प्रस्फुटन समिति के सदस्य छात्र.छात्राएंए नवांकुर संस्था के परामर्शदाता तथा ग्रामीणों के विशिष्ट नागरिक सेमलाल सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं परिचय कराया गया। बैठक के दौरान विकासखंड समन्वयक ने मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद का परिचय देते हुए परिषद की कार्यप्रणालीए उद्देश्यों तथा विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसके साथ ही समुदाय के माध्यम से विकास कार्यों को गति देने और समाज की सहभागिता को बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अगले सत्र में मेंटर देवेश धनंजय ने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए प्रस्फुटन समितियों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समितियों को दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया समझाते हुए विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के तरीके भी बताए। कार्यक्रम के अंत में परामर्शदाता श्री चिरोंजी बंसल ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। इसके पश्चात सभी प्रतिभागियों को अल्पाहार भी कराया गया यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मेंहदवानी विकासखंड की प्रस्फुटन समितियों के लिए मार्गदर्शक साबित हुआए जिससे ग्रामीण स्तर पर सामाजिक और विकासात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने की दिशा में नई ऊर्जा मिलेगी।

हत्या और नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार ए कटनी से पुलिस ने दबोचा

फरार चल रहे आरोपी पर घोषित था इनाम पूछताछ में कबूला जघन्य अपराध

शहपुरा . डिंडोरी जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र में हत्या और नाबालिग से दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी हरिओम चौधरी को पुलिस ने कटनी से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा थाए लेकिन पुलिस की लगातार दबिश के बाद आखिरकार वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 26 फरवरी 2026 को प्रार्थी अशोक झारिया ने थाना शहपुरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बहन राधा बाई के साथ छोटू उर्फ देवेन्द्र चौधरी ने मारपीट की और हरिओम चौधरी ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की थी। इसी दौरान एक अन्य मामले में शिकायतकर्ता ने अपनी 14 वर्षीय भांजी के साथ हरिओम चौधरी द्वारा दुष्कर्म किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस की धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया था। घटना के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने पहले आरोपी छोटू उर्फ देवेन्द्र चौधरी को 4 मार्च को गिरफ्तार कर लिया थाए जबकि मुख्य आरोपी हरिओम चौधरी लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी शहपुरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अनुराग जामदार के नेतृत्व में टीम गठित कर लगातार दबिश दी गई। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए इनामी उद्घोषणा भी की गई थी। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने आरोपी हरिओम चौधरी को कटनी से दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त सामग्री और घटना के समय पहने रक्तरंजित कपड़े भी जब्त किए हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अनुराग जामदार सहित पुलिस टीम और साइबर सेल की अहम भूमिका रही। पुलिस पूरे मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

प्रशिक्षण कार्यशाला में नशामुक्ति और जल संरक्षण का दिलाया संकल्प

डिंडौरी । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन में विकासखंड समनापुर के नवांकुर संस्था समाज कल्याण संस्थान मोहगांव सेक्टर 05 बम्हनी द्वारा ग्राम बम्हनी में प्रस्फुटन समितियों के क्षमता वर्धन के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला राज्य कार्यालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार संपन्न हुई।कार्यक्रम में जन अभियान परिषद जिला डिंडौरी से जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान विकासखंड समन्वयक मंजूलता राव उद्यानिकी विभाग से मनोहर गोहिया गणेश दास सोनवानी और उपकार दास पिटानिया सरपंच रतिराम जनपद सदस्य दवल सिंह पूषाम मेंटर्स शिवकुमार दिलीप बर्मन और डॉली पनारिया उपस्थित रहे। इसके साथ ही नवांकुर सेक्टर प्रभारी सूरज प्रसाद ताम्रकार सेक्टर 04 गौराकन्हारी रामकुमार मरकाम सेक्टर 05 बम्हनी दीपक कुमार सेक्टर 03 समनापुर वेदप्रकाश सेक्टर 02 छांटा इंटर्न हरि यादव तथा प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष सचिव और अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण के दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने विभाग की वर्तमान योजनाओं की जानकारी दी और नर्सरी स्थापना तथा पौधरोपण से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन दिया। जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान ने जन अभियान परिषद की कार्यप्रणाली उद्देश्यों समितियों के दस्तावेजीकरण स्वयंसेवी संस्थाओं के गठन पंजीयन और प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।मेंटर्स शिवकुमार ने सीएमएलडीपी कार्यक्रम की जानकारी दी। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।विकासखंड समन्वयक मंजूलता राव ने प्रस्फुटन समितियों को नवांकुर संस्थाओं के साथ त्रैमासिक कार्ययोजना के अनुसार कार्य करने और प्रस्फुटन गाइडलाइन का पालन करने की बात कही। उन्होंने सहभागिता के माध्यम से जन सूचना केन्द्र संस्कार केन्द्र वाचनालय हरियाली और वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण तथा शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के समापन पर जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान ने सभी प्रतिभागियों को नशामुक्ति और जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ दिलाई। सभी लोगों ने अपने आसपास के जल स्रोतों की साफ सफाई और संरक्षण का संकल्प लिया।

राजस्व विभाग की साप्ताहिक वीडियो कॉन्फ्रेंस में योजनाओं की समीक्षा

डिंडौरी ।

राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में बुधवार दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर साप्ताहिक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। आयुक्त भू संसाधन प्रबंधन मध्यप्रदेश के निर्देशों के अनुसार आयोजित इस बैठक में राजस्व विभाग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई।वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान राजस्व वसूली की स्थिति मोबाइल डिवाइस मैनेजमेंट एंड प्वाइंट सिक्योरिटी सॉल्यूशन पुराने राजस्व अभिलेखों के डिजिटाइजेशन तथा स्वामित्व योजना सहित कई अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही राजस्व विभाग से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।बैठक में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया अपर कलेक्टर जेपी यादव डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिला पेंशन फोरम की बैठक में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

डिंडौरी।कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पेंशन फोरम की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेवानिवृत्त और मृत शासकीय सेवकों से जुड़े लंबित पेंशन प्रकरणों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को 28 फरवरी 2026 तक लंबित पेंशन प्रकरणों और पेंशनरी स्वत्वों के लंबित भुगतान की जानकारी कारण सहित प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।बैठक में यह भी कहा गया कि आगामी छह माह और अगले दो वर्षों में सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों की जानकारी पहले से तैयार रखी जाए। इससे पेंशन प्रकरणों का समय पर निराकरण हो सकेगा और कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।इसके साथ ही पेंशनरों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में प्राप्त आवंटन व्यय और शेष राशि की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इस संबंध में सिविल सर्जन मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला आयुष अधिकारी द्वारा जानकारी दी जाएगी।बैठक में पेंशनरों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को पेंशन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने और पेंशनरों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में पेंशनर संघ के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे और पेंशनरों की समस्याओं के प्राथमिकता से समाधान पर जोर दिया गया।

समनापुर में निर्माणाधीन तहसील भवन का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने विकासखंड समनापुर में निर्माणाधीन तहसील भवन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी और ठेकेदार को डीपीआर के मापदंडों के अनुसार तय गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य को समय सीमा में पूरा करते हुए अप्रैल 2026 तक भवन को तैयार किया जाए।कलेक्टर ने कहा कि तहसील भवन तैयार होने के बाद समनापुर विकासखंड के नागरिकों को राजस्व से जुड़ी कई सेवाएं एक ही स्थान पर मिल सकेंगी। इससे आम लोगों को राजस्व अभिलेख नामांतरण बंटवारा फार्मर रजिस्ट्री सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए डिंडौरी आने जाने में लगने वाले समय और खर्च से राहत मिलेगी। साथ ही नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेगी।निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार समनापुर सुकमन सिंह कुलेश आरआई जितेंद्र रजक संबंधित पटवारी और प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

कक्षा 5वीं और 8वीं की उत्तर पुस्तिकाओं के समय पर मूल्यांकन के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार जिले में कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय पर मूल्यांकन केंद्र पहुंचकर जिम्मेदारी के साथ समय सीमा में मूल्यांकन कार्य पूर्ण करें।जिला शिक्षा केंद्र सर्व शिक्षा अभियान डिंडौरी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जन शिक्षा केंद्रों से उत्तर पुस्तिकाएं एकत्रित कर विकासखंड स्तर पर मूल्यांकन के लिए अन्य विकासखंडों में भेजी गई हैं ताकि निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से मूल्यांकन कार्य किया जा सके। साथ ही यह भी कहा गया है कि जो शिक्षक बिना कारण अनुपस्थित पाए जाएंगे उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जाएगा तथा लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान जिला परियोजना समन्वयक श्रीमती श्वेता अग्रवाल द्वारा जिला स्तरीय मूल्यांकन केंद्र डाइट डिंडौरी का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि मूल्यांकनकर्ता उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के बाद उसी दिन अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित करें तथा मुख्य मूल्यांकनकर्ता द्वारा उसकी जांच की जाए।जिला शिक्षा केंद्र ने सभी संबंधित शिक्षकों से मूल्यांकन कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने की अपील की है ताकि परीक्षा परिणाम समय पर घोषित किए जा सकें।

नरवाई प्रबंधन में आत्मा परियोजना का नवाचार

सुपर सीडर से किसानों ने घटाई लागत व बढ़ाया उत्पादन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत आत्मा परियोजना द्वारा रबी सीजन में नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा देते हुए नवीन कृषि तकनीकों का सफल प्रयोग किया जा रहा है। विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम नयाखेड़ा के कृषक महेश कुमार लोधी ने अपने खेत में चना की उन्नत किस्म जे.जी.- 26 तथा कृषक महेश साहू ने गेहूं की डी.बी.डब्ल्यू.-303 की बुवाई कर अन्य किसानों को आधुनिक खेती के लिए प्रेरित किया। जिले में किसानों को गेहूं के 48, चना के 36 तथा धनिया के 48 पैकेट बीज उपलब्ध कराए गए थे, जिनका उपयोग कर कृषकों ने अपनी एक-एक एकड़ भूमि में नवीन पद्धति से खेती का नवाचार किया। इससे किसानों को बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है।

लागत व उपज में परिवर्तन

उक्त संबंध में कृषक महेश कुमार लोधी ने बताया कि चना की फसल में उकठा रोग एवं अन्य कीटों का प्रकोप नहीं देखा गया, जिससे दवाइयों पर होने वाली लागत में कमी आई है। साथ ही चना की यह उन्नत किस्म मजदूरों की कमी की स्थिति में भी हार्वेस्टर से आसानी से कटाई योग्य है, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है। नरवाई प्रबंधन पद्धति के अंतर्गत खेतों में फसल अवशेषों को जलाने के बजाय मिट्टी में मिलाया जाता है। इससे खेत में जैविक तत्वों और सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ती है तथा मिट्टी में नमी लंबे समय तक बनी रहती है। फसल अवशेष सड़कर जैविक खाद का कार्य करते हैं, जिससे किसानों को अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम पड़ती है और मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है।

किसान कंबाइन हार्वेस्टर का कर रहे उपयोग

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार रोटावेटर या कल्टीवेटर की सहायता से नरवाई को मिट्टी में मिलाकर दबा दिया जाता है, जिससे यह धीरे-धीरे सड़कर जैविक खाद में परिवर्तित हो जाती है। वहीं हैप्पी सीडर या जीरो टिल ड्रिल मशीन से पिछली फसल के अवशेषों के बीच ही अगली फसल की बुवाई संभव है, जिससे खेत तैयार करने में लगने वाला समय और खर्च दोनों कम हो जाते हैं। वर्तमान में जिले में गेहूं सहित अन्य रबी फसलों की कटाई का कार्य प्रारंभ हो गया है और कई किसान कंबाइन हार्वेस्टर का उपयोग कर रहे हैं, जिसके कारण खेतों में फसल अवशेष रह जाते हैं। विगत वर्षों में इन अवशेषों को जलाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ ही मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीव और केंचुए नष्ट हो जाते हैं तथा भूमि की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई न जलाएं और इसके वैज्ञानिक प्रबंधन को अपनाएं। इस अवसर पर किसानों को नरवाई प्रबंधन, उड़द की बुवाई तथा ई-विकास प्रणाली के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। इस नवाचार में ग्राम नयाखेड़ा के कृषक महेश कुमार लोधी एवं महेश साहू ने अपने खेतों में इस तकनीक को अपनाकर अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।

नरवाई में लगी आग

गत दिवस जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम सिंहपुर रोड एवं धुवघट गांव के बीच एक खेत में बुधवार शाम करीब 4 बजे गन्ना पत्ती के रोल्स में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही नगर पालिका की दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया गया। खेत में बड़ी संख्या में गन्ना पत्ती के रोल्स रखे हुए थे, जिनमें आग लगने से तेजी से धुआं और लपटें उठने लगीं। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। कुछ दिन पहले करेली क्षेत्र के पास भी इसी तरह गन्ना पत्ती में आग लगने की घटना सामने आई थी। फिलहाल, दमकल कर्मी आग पर पूरी तरह काबू पाने में जुटे हुए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. स्वाति चांदोरकर एवं डॉ. साधना सिंह उपस्थित रहीं। निर्णायक मंडल में डॉ. शिवानी शिवहरे, डॉ. पूजा साहू, डॉ. पूर्णिमा पटेल, डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. श्यामलता सिंह एवं डॉ. देवमित्रा राय शामिल रहे। आयोजित प्रतियोगिताओं में पोस्टर निर्माण में ज्योति वर्मा ने प्रथम, पिंकी मैहरा ने द्वितीय एवं मुस्कान बी. ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में दीक्षा सेन प्रथम तथा रजनी चढ़ार द्वितीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में गरिमा पाण्डेय प्रथम, साक्षी रजक द्वितीय एवं तनु नौरिया तृतीय स्थान पर रहीं। इस कार्यक्रम में डॉ नमिता साहू, श्रीमती प्रीति कौरव,डॉ. नम्रता, श्री अर्पित सक्सेना एवं श्रीमती बबीता सोनी ने अपने विचार प्रकट किए। महाविद्यालय से सुश्री हेमलता, श्रीमती वंदना चैरसिया, श्रीमती नीता ढीमोले, श्रीमती कल्पना साहू इत्यादि की भी भागीदारी रही। आभार सह प्रभारी श्रीमती प्रीति कौरव के द्वारा देकर कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सहदल नायिका गरिमा पाण्डेय एवं स्वयंसेवक यशिका सोनी, मुस्कान बी., तनु नौरिया, पिंकी मैहरा, ज्योति वर्मा, दीक्षा सेन, रजनी चढ़ार एवं साक्षी रजक का विशेष सहयोग रहा।

अतिथि शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस अतिथि शिक्षक संघ की जिला इकाई ने बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर शानू चैधरी को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें अतिथि शिक्षकों ने अपनी विभिन्न मांगों को पूरा करने की अपील की। ज्ञापन में प्रमुख मांग यह थी कि हरियाणा की तर्ज पर एक नीति बनाकर मध्य प्रदेश के अतिथि शिक्षकों का पद सुरक्षित किया जाए। साथ ही, अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर अतिथि शिक्षकों के लिए एक स्थायी नीति निर्धारित करने की मांग की गई। संघ ने यह भी मांग की कि वर्तमान और आगामी शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में अतिथि शिक्षकों को 20 अंक का बोनस दिया जाए। इसके अतिरिक्त, अतिथि शिक्षकों के वेतन का पुनर्निर्धारण करते हुए वर्ग-1 के लिए 30 हजार, वर्ग-2 के लिए 24 हजार और वर्ग-3 के लिए 18 हजार रुपये प्रतिमाह तय किए जाएं। ज्ञापन में अतिथि शिक्षकों को नियमित कर्मचारियों की तरह सभी प्रकार के अवकाश प्रदान किए जाने की भी मांग उठाई गई। इस दौरान नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष रामकिशोर कौरव, प्रांतीय संगठन मंत्री कीर्ति सिंह राजपूत, विकास रजक, भीषम सिंह राजपूत, नीरज कौरव, संजय पटेल, सुरेंद्र चैधरी सहित कई अन्य अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।

श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडरों की भरमार, स्वास्थ्य के लिए बन रहे खतरा

गोटेगांव। क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में से एक श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर इन दिनों अवैध वेंडरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बिना अनुमति खाद्य सामग्री बेच रहे इन वेंडरों के कारण यात्रियों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडराने लगा है। रेलवे के नियमों को नजरअंदाज कर प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में खाद्य पदार्थों की बिक्री की जा रही है, जिससे आमजन के सामने स्वच्छ और सुरक्षित भोजन का संकट खड़ा हो गया है।रेलवे विभाग के नियमों के अनुसार ट्रेन और रेलवे स्टेशन पर खाद्य सामग्री बेचने वाले प्रत्येक कर्मचारी के लिए स्वास्थ्य फिटनेस प्रमाणित होना अनिवार्य होता है। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही ऐसे कर्मचारियों को रेलवे द्वारा अधिकृत फूड वेंडर कार्ड जारी किया जाता है। इस कार्ड का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि खाद्य सामग्री बेचने वाला व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ है और उसे किसी भी प्रकार की संक्रामक बीमारी नहीं है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जा सके।लेकिन श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। यहां कई लोग बिना किसी अनुमति और स्वास्थ्य प्रमाणपत्र के प्लेटफॉर्म तथा ट्रेनों में चाय, नाश्ता और अन्य खाद्य सामग्री बेचते नजर आते हैं। इन वेंडरों के पास न तो रेलवे का अधिकृत पहचान पत्र होता है और न ही स्वास्थ्य संबंधी कोई प्रमाणपत्र। ऐसे में यात्रियों को मिलने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और स्वच्छता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।यात्रियों का कहना है कि प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में अवैध वेंडर घूमते रहते हैं, जो ट्रेनों में चढ़कर भी सामान बेचते हैं। कई बार ये लोग खुले में रखी खाद्य सामग्री बेचते हैं, जिससे संक्रमण फैलने की आशंका बनी रहती है। गर्मी के मौसम में यह खतरा और भी बढ़ जाता है, क्योंकि खराब या दूषित खाद्य पदार्थ यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या बन सकते हैं।स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि स्टेशन परिसर में अवैध वेंडरों पर सख्ती से रोक लगाई जाए। साथ ही केवल उन्हीं वेंडरों को खाद्य सामग्री बेचने की अनुमति दी जाए जिनके पास रेलवे द्वारा जारी अधिकृत कार्ड और स्वास्थ्य फिटनेस प्रमाणपत्र हो।यदि रेलवे प्रशासन समय रहते इस दिशा में कार्रवाई नहीं करता है तो यह समस्या यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। यात्रियों की सुरक्षा और स्वच्छ भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित करना रेलवे प्रशासन की जिम्मेदारी है, जिस पर तत्काल ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

सत्ता और पद का उपयोग समाज सेवा और जनकल्याण के लिए होना चाहिए

पाल समाज द्वारा अहिल्याबाई की प्रतिमा लगाने भूमि पूजन

तेंदूखेड़ा

विगत दिवस तेंदूखेड़ा में पाल भवन परिसर में अहिल्या बाई की प्रतिमा लगाने के लिए भूमी पूजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल श्रीपाल पूर्व विधायक भैयाराम पटेल नगर परिषद अध्यक्ष विष्णु शर्मा सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और पाल समाज के स्वाजातीय बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने कहा कि रानी अहिल्या बाई केवल एक शासक ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति धर्म और सेवा की अद्भुत प्रतीक थीं ।उन्होंने अपने शासनकाल में समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया। देशभर में मंदिरों घाटों धर्मशालाओं और कुंओं का निर्माण करवाकर उन्होंने सनातन संस्कृति की रक्षा और सेवा का महान कार्य किया। पवित्र तीर्थस्थलों का पुनर्निर्माण कर उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विरासत को संजोने का कार्य किया। उनका जीवन हमें संदेश देता है कि सत्ता का उपयोग समाज सेवा और जनकल्याण के लिए होना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल श्रीपाल ने पाल समाज की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी प्रतिमा की स्थापना आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शों त्याग और सेवा भावना से प्रेरित करेगा। तथा विधायक द्वारा मिले सहयोग की प्रशंसा की।साथ ही पूर्व विधायक भैयाराम पटेल विष्णु शर्मा ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर प्रदेश मंत्री राजू पाली एवं जिले के पदाधिकारियों ने उपस्थित अतिथियों का शाल श्री फल से सम्मान किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष महीष मोदी वरिष्ठ पार्षद संतोष पटेल राजीव अग्रवाल शिवदयाल खेरोनिया रामकुमार ठाकुर सोनू महाराज राजेश श्रीपाल कृपाल राकेश सुंदरलाल पुरुषोत्तम महेश हेमराज सुरेश प्रदीप पाल सहित अखिल भारतीय गड़रिया महासभा के स्वजातीय बंधुओ की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना हेतु आवेदन 18 तक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनांतर्गत माह मार्च में 30 मार्च से 4 अप्रैल 2026 तक वाराणसी (काशी)- आयोध्या की तीर्थ यात्राएं संचालित की जाना है। यह तीर्थ यात्रा सिवनी, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, वाराणसी (काशी), आयोध्या, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी का संचालन किया जाएगा। इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर ने सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों व जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने- अपने क्षेत्र अंतर्गत उक्त योजना का व्यापक प्रचार- प्रसार कर पात्र हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर पात्रता परीक्षण किया जाए और प्राप्त आवेदनों की जानकारी समय सीमा में कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ।

खबर संक्षेप

अगरिया में आयोजित हुआ निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बचई द्वारा पीवीटीजी बाहुल्य गांव में निवासरत कोल जनजाति के लिए ग्राम अगरिया के वार्ड क्रमांक 12 में बुधवार को निरूशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, नियमित दिनचर्या व ऋतुचर्या का पालन करने के लिए जागरुक किया गया। इस दौरान लोगों की निरूशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें हीमोग्लोबिन (एचबी), डायबिटीज तथा उच्च रक्तचाप की जांच की गई। साथ ही मरीजों को आयुर्वेदिक औषधियों का निरूशुल्क वितरण किया गया।

दिव्यांग शिविर आयोजित

नरसिंहपुर। जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चावरपाठा में मंगलवार को को दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मेडिकल बोर्ड नरसिंहपुर के अस्थि विशेषज्ञ सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर के दौरान कुल 208 दिव्यांगजनों का परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरांत पात्र दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड तथा बस एवं ट्रेन कंसेशन पास जारी किए गए, जिससे उन्हें शासन की विभिन्न सुविधाओं का लाभ मिल सके।

दो छात्रों का एनएमएम परीक्षा में चयन

नरसिंहपुर। गत दिवस जारी किए गए एनएमएम परीक्षा परिणाम में स्थानीय सांदीपनि विद्यालय के दो छात्राओं का चयन हुआ। जिसमें शिवांग नेमा एवं कृतिका सिलावट के चयन पर विद्यालय परिवार एवं परिजनों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

जैन मंदिर में लाखों की चोरी, क्षेत्र में बढ़ी चिंता

गोटेगांव। गोटेगांव थाना क्षेत्र के रामनिवारी स्थित जैन मंदिर में बीती रात चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। अज्ञात चोर मंदिर से धार्मिक सामग्री और नकदी सहित लाखों रुपए का सामान लेकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और रोष का माहौल बना हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, चोरी की यह वारदात मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात लगभग 2 से 3 बजे के बीच की बताई जा रही है। चोरों ने मंदिर के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखी धार्मिक सामग्री व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि चोर मंदिर से 11 छत्र, 2 सिंहासन, 2 भगवान की मूर्तियां और लगभग 50 हजार रुपए नकद अपने साथ ले गए। इसके अलावा तीन ताले भी अपने साथ ले गए, जबकि कुल चार ताले तोड़े गए हैं।प्रारंभिक अनुमान के अनुसार चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 6 से 7 लाख रुपए बताई जा रही है। सुबह जब मंदिर के पुजारी और आसपास के लोग पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे तो मंदिर के टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर घटना का पता चला। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल चोरों के बारे में कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिल पाया है, लेकिन पुलिस आसपास के क्षेत्रों में जांच कर रही है और संभावित आरोपियों की तलाश की जा रही है।इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में आक्रोश और चिंता का माहौल है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे इस तरह की आपराधिक घटनाएं होना कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। लगातार बढ़ती आपराधिक गतिविधियों से चोरों के हौसले बुलंद होते नजर आ रहे हैं, जिससे आम नागरिकों में भय का वातावरण बन रहा है।स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।